

वर्ष पर मजदूरक
2018-19 के
लोअरे मेच में से
आठ लोटे थे।
नभा भी उनका
इसके बाद वह
उम्म के लिए
थे। वह अंतिम
स्ट्रेट में मध्य
से उबकाए व
जॉर्ने नंबर 2
नंबर पर
छठे नंबर पर
दूर संकेतक
पिछले स्ट्रेट
और खेतक
साला दिखाना

कवच लगते ही कोहरे में भी नहीं लेट होंगी ट्रेनें

अश्विनी दर्जा • जागरण

नई दिल्ली : देन यात्रा को सहज-सरल बनाने का प्रयास लगातार किया जा रहा है। सर्दियों में कोहरे के चलते ट्रेनों का ट्रेर से जामना आम बात हो गई है। लेकिन अब कवच प्रणाली के जर्जरेटो को कोटेशनको को शिकारते लामना जल्द खाम हो

● नए वर्जन से कोहरे में भी दिख जाएगा सिग्नल, चाली घोषी करने की जरूरत नहीं पाव खं में सभी ट्रेनों में लग जाएगी कवच प्रणाली, विदेशी की तुलना में है सरसी

क्या है कवच प्रणाली : कवच संचालित ट्रेन प्रोटेक्शन तकनीक है, जिसे ट्रेनों को हलद से बचाने के लिए स्वदेशी तकनीक से विकसित किया गया है। लोकोमोटिव की लापरवाही नीचा ब्रेक लगाने में विफल होने की स्थिति में कवच अपना काम दिखाता है। वलती ट्रेन में कवच लगाकर खरों को टोल रोकता है। यह प्रणाली दो सिग्नलों में अपना काम करता है।

पर पाना में सुरक्षा राहती पाव मंत्रालय

जागरण ब्यूरो • नई दिल्ली : शहरी हलाकों में गीले और सूखे कचरे के निस्तारण के लिए आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय अगले माच तक 67 करोड़ यूएन गाँस (सोबीबी) प्लांटों का निर्माण शुरू करेगा। ये प्लांट इन सूखे बजट में को गाँवों को कवा हिससा है। बजट में इस विधाय वर्ष में 200 प्लांट लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। इसके तहत 37 संवर्धन संचालित की स्थिति में आ गए हैं, जबकि 133 पर काम चल रहा है। ये प्लांट 300 टन प्रति दिन कचरे के निस्तारण को क्षमता वाले हैं।

हादिस कवचने जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने गवर्धन योजना की समीक्षा, इस साल बजट में 200 सोबीबी प्लांट लगाने की हूई थी घोषणा

जो इन प्लांटों की स्थापना में आ रही हैं। इनमें सबसे बड़ी दिक्कत आपरेंटरी के लिए लागत और बायो गैस को कीमत के बीच आर्थिक अंतर को भरपाई है। इस वजह से निजी आपरेंटरी में अभी ज्यादा उरसाह नहीं दिखाया है। गीले और सूखे कचरे के खोले से ही अलग-अलग न हो पाने के कारण प्लांट में बायोगैस के उत्पादन में लागत बढ़ जाती है, क्योंकि इसके लिए अलग से व्यवस्था करनी पड़ती है। बैटक में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने सोबीबी और पीएनजी में बायोगैस के अनिवार्य मिश्रण को लेकर गवडालसन भी प्रस्तुत की और बायोगैस की वित्तीय उपस्थिति, तेल थारा गैस मार्केटिंग कंपनियों से सोबीबी प्लांटों को फाइनेंस करने के लिए अनुबंध अंतिम चरण में हैं।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय जागरण

छह गुना से अधिक बढ़ गया है राज्यों का पेंशन पर खर्च

जेएनएन, नई दिल्ली : पिछले 40 वर्षों में राज्यों का पेंशन पर खर्च छह गुना से अधिक बढ़ गया है। 1980-81 में राज्यों ने अपने राजस्व प्राप्तिव्याप का 2.1% पेंशन पर खर्च किया था, वहीं 2021-22 में यह खर्च बढ़ कर राजस्व प्राप्तिव्याप का 13% तक पहुँचा है।

मानहानि का सामना

नई दिल्ली, प्रेड : सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय वित्तीय एवं प्रशासन राज्य मंत्री एल. मुरगन के खिलाफ मानहानि की कार्यवाही गुरुवार को रद कर दी। दिसंबर 2020 में प्रेस वार्ता के दौरान उक्त बयानों को लेकर चेन्नई स्थित मुंबासोली ट्रस्ट की शिकायत पर आपराधिक मानहानि की कार्यवाही को रद्द की गई थी। मुरगन पर प्रेस वार्ता के दौरान अपमानजनक बयान देने का आरोप लगा था।

जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस के.वी. विश्वनाथन की पीठ के समक्ष मुरगन के वकीलों ने कहा कि ट्रस्ट को बन्दाना करने या उसके प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचाने का मुद्दाना कोई शरण नहीं था। इसके बाद पीठ ने मानहानि की कार्यवाही रद करने का फैसला सुनाया।

राजस्व की तुलना में तेजी से बढ़ा पेंशन पर खर्च

पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च के अनुसार 1980 से 2020के बीच राज्यों का पेंशन का खर्च राजस्व की तुलना में ज्यादा तेजी से बढ़ा। बढ़ते पेंशन को देखते हुए पेंशन सुधारों को लागू किया गया और ज्यादातर राज्यों ने 2004 के बाद अपने कर्मचारियों के लिए डिग्रीड कर्मीवृत्त पेंशन प्लान शर्जनात पेंशन सिस्टम (एनपीएस) लागू किया। एनपीएस में कर्मचारी और सरकार दोनों योगदान करते हैं और पेंशन की रकम इकट्ठा होव कामेंत पर निर्भर करती है। हालांकि पिछले दो वर्षों के दौरान कुछ राज सरकारों जैसे हिमाचल प्रदेश, ओडिशा, गुजरात और पुजब ने ऑडिशनल स्कीम (ओपीएस) लागू करने

प्रमुख राज्यों का पेंशन और रिटायरमेंट लाभों पर खर्च

उत्तर प्रदेश	86,488
उत्तराखंड	8,146
बंगाल	24,710
बिहार	31,796
छत्तीसगढ़	7,737
दिल्ली	3

केके

प्रेड : अंतर (संकेत) के शान में 20 को संकेतक पर प्रश्नः प्र करने वृद्ध केवै केला लिया। य में निं क आरंभ से 30 वर्ष के 30 वर्ष आशा की गीः बा वी बतान जातः 1 जो किन अरुअ

पन्ना में हर किसी की तमन्ना की हीरा मुले मिल जाए...

सुवर्ण पौष्टिक • नईदुर्गा

पन्ना : रातों-रात किस्मत चमकाने वाला हीरा सबको किस्मत में नहीं होता। मध्य प्रदेश की रत्नाग्राम धरती पन्ना में तो ऐसा ही है। यहां हर किसी की तमन्ना हीरा के कि हिरा मुझे मिल जाए, लेकिन मिलता किसी-किसी को है। यहां ऐसे कई परिवार हैं, जिन्होंने हीरे की चाहत में खदान लीज पर ली और उन्हें दो महिने में ही हीरा मिल गया, लेकिन बगुन से परिवार ऐसे भी हैं, जिन्होंने बड़ा हद दिव इसी आस में सुकनित से रात तक हीरे को तलाशती हैं कि शायद उनकी किस्मत आज चमक जाए, पर ऐसा होता नहीं। बुधचरण से पन्ना में चल रही हीरों की नीलामी 250 लोगों को ही हीरे मिले हैं, वहीं 400 से ज्यादा ने हीरा पाने की चाहत में अपनी आर्थिक

- खदान तो कई के पास, पर हीरा हर किसी के हाथ नहीं लगता
- कसू की प्रभुकी रातों रात किस्मत, तो बहूतरे बहाल



पन्ना की उथली खदानों से पत्थरों के बीच हीरे की तलाश करते खदान के पट्टाधारों • नईदुर्गा

खदान लेते दो महिने में मिला पहला हीरा • पन्ना जिला मुख्यालय निवासी राजेश कुमार-जन में खदान का पट्टा लिया और उन्हें दो महिने के अंदर ही पहला हीरा मिल गया। वह कहते हैं कि हीरा मिला किस्मत की बात है। उस तक 20-10 गैर मिल चुके हैं। उअर, 19.22 केंद्र का हीरा निकालने वाले बुनगद आदीवासी देवदू खान नजर आए। नीलामी के पहले दिन बुनगद को उनका हीरा करीब 94 लाख रुपये में बिका। वह कहते हैं कि येव सपना से प्रभुद्वी कर रहा है, अब मालिक बन गया।

रिथित खराब कर ली। पन्ना की उथली हीरा खदानों में 40 से 45 किलोमीटर दूरवाई और पाने से पांच किमी चौड़ाई में पन्ना से पहाड़ीछेडा तक हीरे अक्सर निकलते हैं।

वेटिकन जागगा भारतीय प्रतिनिधिमंडल

नई दिल्ली • एएनआइ : प्रधानमंत्री नेत्रेन्द्र मोदी शनिवार को वेटिकन सिटी में होने वाले पोप के एक कार्यक्रम में एक उच्चस्तरीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल भेज रहे हैं।

केंद्रीय राज्यमंत्री जयुं कुरियन की अध्यक्षता में यह प्रतिनिधिमंडल मोन्सिग्नोर जार्ज जेकब कुवकुड को काहडिला बनाए जाने के कार्यक्रम में हिस्सा लेगा। पूर्व केंद्रीय मंत्री जयिव चंद्रशेखर ने बताया कि पोप के एक काहडिल चुनने का औपचारिक कार्यक्रम में आठ दिसंबर को होना है।

स्वास्थ्य विभाग जिला फतेहाबाद

चिकित्सकों की भर्ती बारे सूचना

Advertised No 12/2024

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि जिला फतेहाबाद के स्वास्थ्य विभाग के सिविल सर्जन कार्यालय फतेहाबाद में Medical Officer के रिक्त पदों के लिए भर्ती का आयोजन किया गया है। आवेदन प्रक्रिया और इन भर्तियों के नियमों और शर्तों के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए कृपया फतेहाबाद स्वास्थ्य विभाग की आधिकारिक वेबसाइट www.nhmfatehabad.org पर जाएं।

मैयूर सैक्टरी जिला स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, समिति कम सिविल सर्जन, फतेहाबाद

हरियाणा सरकार		निविदा सूचना	
क्र. सं.	बोर्ड/निगम/प्राधिकरण का नाम	कार्य/सुचना विविधा का नाम	निविदा की तिथि/बंद होने की तिथि (समय)
1	दिल्ली राज्य जिला सहायक संचालक तथा उपसहायक संचालक	गार्डन हाउस का आरक्षण अन्त कार्याय	05.12.2024 07.12.2024
			11.50 LACS
			https://etenders.hrynic.in
			9812302153 vlasrs@gmail.com

आमारी जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट पर जाएं : www.haryanaprocedure.gov.in or www.etenders.hrynic.in

ADARSH COLLEGE OF EDUCATION

VPO-Dadarpur, Distt-Bajajir (Haryana) Recognized by NCTE and Affiliated to MGU, Rohtak Website: www.adarsheducation.com E-Mail: info@adarsheducation.com M. 9416360888

The following Teaching and Non-Teaching Staff is required for

B.Ed Course on regular basis:
In Education-4, Assistant Professor-1, Assistant professor in Perspective Mathematics, Science, Social Science, Commerce (English, Hindi, Sanskrit, Health & Physical Education-1, Fine Arts-1, Performing Arts-1), Non-Teaching Staff-Librarian-1, Lab Assistant-1, Office-Cum-Account Technical Asstt-1, Peon-1, Lab Attendant-1, Helper/Support Staff-2.
Note: Qualifications per scale and Experience as per NCTE/Haryana Govt/MGU, Rohtak Norms. Eligible candidates may download the application form from college website or may obtain it from the college on any working day. The candidate may send the application form duly completed in all respect along with copy of all testimonials (visible copy of DMCX, Experience certificates etc.) to the college office and also a copy of the same must be sent to the Dean College publication of the advertisement but not later than 26th Dec, 2024 by registered post or by hand for B.Ed course (Teaching & Non Teaching staff) only. President

परिवहन विभाग, हरियाणा (रेगुलेटरी विंग)

30 बजे बिल्डिंग, सेक्टर 17-बी, चंडीगढ़-160017
www.haryanatransport.gov.in
email: stcharyana@hrynic.in, Ph. 0172-2784359

सर्वसाधारण के लिए सूचना
मानवीय सर्वोच्च न्यायप्रणाली ने सिविल अधिकार संख्या 13029/1985 शीर्षक "एस.सी. भैरवा बनाम भारत संघ एवं अन्य" वाले मामले में दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्रों में वायु प्रदूषण को कम करने के लिए विनियम निर्देश जारी किए हैं। प्रथम से होने वाला प्रदूषण को कम करने के लिए विनियम निर्देश जारी किए हैं। वायु प्रदूषण को कम करने के लिए वायु प्रदूषण में एक बड़ा योगदान देता है। वायु गुणवत्ता वायु प्रदूषण (CAQM) भी नियमित रूप से दिल्ली/राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्रों की वायु प्रदूषण की निगरानी कर रहा है। सभी नागरिकों का यह सामूहिक कर्तव्य है कि वे नैतिक/वित्तीय व्ययक फलन करके प्रदूषण को यथासंभव कम करने के लिए सभी कर्तव्य कर उअर।

Classifieds

दैनिक जागरण

इंजरायल ने फलस्तीनियों के विरुद्ध नरसंहार किया: एमनेस्टी इंटरनेशनल

हेग • रायटर: एमनेस्टी इंटरनेशनल फलस्तीनियों को तबाह करने की